

परख

हाल ही में सभी बोर्डों के लिये मूल्यांकन दशा-नरिदेश स्थापति करने के उद्देश्य के साथ **राष्ट्रीय शक्ति अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (National Council for Education Research and Training- NCERT)** ने भारत के पहले राष्ट्रीय मूल्यांकन नियामक, **PARAKH (प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा एवं समग्र विकास के लिये ज्ञान का विश्लेषण)** अधिसूचि कया है।

परख:

परचिय:

- परख को **राष्ट्रीय शक्ति नीति (NEP)- 2020** के कार्यानवयन के भाग के रूप में लॉन्च कया गया है, जसमें नए मूल्यांकन पैटर्न और नवीनतम शोध के बारे में स्कूल बोर्डों को सलाह देने और उनके बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिये एक मानक-नरिधारण नकिया की परकिल्पना की गई है।
- यह NCERT के एक भाग के रूप में कार्य करेगा।
- इसे **नेशनल अचीवमेंट सर्वे (NAS)** और **स्टेट अचीवमेंट सर्वे (SAS)** जैसे समय-समय पर लरनगि आउटकम टेस्ट आयोजति करने का भी काम सौंपा जाएगा।
- यह तीन प्रमुख मूल्यांकन क्षेत्रों पर कार्य करेगा: व्यापक मूल्यांकन, स्कूल-आधारति मूल्यांकन तथा परीक्षा सुधार।

उद्देश्य:

- समान मानदंड और दशा-नरिदेश:** भारत के सभी मान्यता प्राप्त स्कूल बोर्डों के लिये छात्र मूल्यांकन एवं नरिधारण हेतु मानदंड, मानक और दशा-नरिदेश नरिधारति करना।
- मूल्यांकन पैटर्न में सुधार:** यह 21वीं सदी की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने की दशा में अपने मूल्यांकन पैटर्न को बदलने के लिये स्कूल बोर्डों को प्रोत्साहति करेगा।
- मूल्यांकन में असमानता को कम करना:** यह राज्य और केंद्रीय बोर्डों में एकरूपता लाएगा जो वर्तमान में मूल्यांकन के वभिन्नि मानकों का पालन करते हैं, जससे अंकों में व्यापक असमानताएँ पैदा होती हैं।
- बेंचमार्क आकलन:** बेंचमार्क मूल्यांकन ढाँचा **राष्ट्रीय शक्ति नीति (NEP) 2020** में नरिहित मुद्दों को संबोधति करेगा।

महत्त्व:

- कॉलेज प्रवेश में असमानता को दूर करना:**
 - यह CBSE स्कूलों के अपने सहपाठियों की तुलना में कॉलेज प्रवेश के दौरान कुछ राज्य बोर्डों के वदियार्थियों की समस्या के नपिटान में मददगार साबति होगा।
- अभनिव मूल्यांकन:**
 - यह स्कूली शक्ति के सभी स्तरों पर परीक्षण, डज़ाइन, संचालन, विश्लेषण और रपिर्गि के लिये तकनीकी मानकों को वकिसति एवं कार्यानवति करेगा।
- समग्र दृष्टिकोण:**
 - परख (PARAKH) का उद्देश्य शक्ति के लिये समावेशी, भागीदारी और समग्र दृष्टिकोण की सुवधि प्रदान करना है, जो क्षेत्र के अनुभवों, अनुभवजन्य अनुसंधान, हतिधारक प्रतिक्रिया के साथ-साथ सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखे गए अनुभवों को ध्यान में रखता है।
- प्रगतशील बदलाव:**
 - यह शक्ति के क्षेत्र में अधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण की ओर एक प्रगतशील बदलाव है।
 - नरिधारति संरचना बच्चे की क्षमता, संज्ञानात्मक वकिस के चरणों के साथ-साथ सामाजिक और शारीरिक जागरूकता को पूरा करने में सहायता करेगी।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. शक्ति कोई नषिधाज्ञा नहीं है, यह एक व्यक्त और सामाजिक परविरतन के सर्वांगीण वकिस के लिये एक प्रभावी एवं व्यापक उपकरण है। उपर्युक्त कथन के आलोक में नई शक्ति नीति, 2020 का परीक्षण कीजयि। (मुख्य परीक्षा, 2020)

स्रोत: हदिसतान टाइम्स

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/parakh>

